Oppening of Post Office at Kota and Basot in Almora

*94. SHRI RAJ NATH SINGH: Will the Minister of COMMUNICATIONS be pleased to state:

(a) whether it is a fact that residents of Basot have represented for opening a sub-post office at Basot in Almora;

(b) whether it is also a fact that they have also requested for opening of branch post office at Kota in Almora; and

(c) if so, by when a sub-post office at Basot and branch post office at Kota are likely to be opened?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF COMMUNICATIONS (SHRI SUKH RAM): (a) and (b) Yes, Sir.

(c) The proposals for upgradadation of Basot to a departmental sub post office has not been found fulfilling the norms laid down by the Government.

The proposal for opening of a post office in village Kota is under examination and will be opened subject to fulfilment of norms and availability of resources.

Regulatory Body for Telecom Sector

*95. SHRI NILOTPAL BASU : SHRI M.A. BABY :

Will the Minister of COMMUNICATIONS be pleased to state :

(a) the specific time schedule for bringing the regulatory body for telecom sector into operation;

(b) whether the body will set standards, issue licences, fix prices, set tech. preconditions and supervise the basic, cellular and V set operators; and

(c) if so, what will be the broad parameters of the body ?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF COMMUNICATIONS (SHRI SUKH RAM) (a) to (c) The matter is under active consideration of the Government.

विभिन्न अभिकरणों से प्राप्त विदेशी ऋण

*96. **श्रीमती सुषमा स्वराज :**

श्री जयन्त राय :

क्या वित्त मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि पिछले कई वर्षों के दौरान विदेशी ऋण की राशि में निरंतर वृद्धि हो रही है ;

(ख) यदि हां, तो वर्ष 1991–92 1992–93, 1993–94 के दौरान विदेशी ऋण की मात्रा कितनी-कितनी थी ; और

(ग) उपर्युक्त अवधि के दौरान सरकार द्वारा ब्याज और ऋण की राशि के रूप में किश्तों में प्रतिवर्ष कितनी-कितनी धनराशि का भुगतान किया गया है ?

वित्त मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री एम० वी० चन्द्रशेखर मूर्ति) : (क) जी, नहीं ।

(ख) सरकारी और गैर-सरकारी खातों (अन्तर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष से उधारों सहित) तथा विदेशी वाणिज्यिक उधारों पर विदेशी सहायता के रूप में प्राप्त विदेशी ऋणों की कुल राशि 1991–92 में 20,302 करोड़ रुपए, 1992–93 में 17,316 करोड़ रुपए और 1993–94 में 16,561 करोड़ रुपए थी ।

(ग) इन खातों पर मूलधन की वापसी अदायगी और ब्याज भुगतान की राशि क्रमशः 1991–92 में 10,431.82 करोड़ रुपए और 5977.00 करोड़ रुपए, 1992–93 में 9770.60 करोड़ रुपए और 7430.61 करोड़ रुपए और 1993–94 में 11,260.48 करोड़ रुपए तथा 7854.61 करोड़ रुपए थी ।